IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
onal Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 1, Issue 1, January 2020 Impact Factor: 4.819

असाध्य वीणा कविता ; मध्यवर्ग के व्यक्तित्व और अस्तित्व की अभिव्यक्ति

डॉ रमेश यादव

असि प्रोफेसर – हिंदी

राजकीय (स्नातकोत्तर) महाविद्यालय कैराना शामली

असाध्य वीणा कविता हिंदी साहित्य की एक कालजयी कृति है, जो न केवल रचनात्मक प्रक्रिया और आत्म-विसर्जन के दर्शन को प्रस्तुत करती है, बल्कि इसमें **मध्यम वर्गीय जीवन बोध** की सूक्ष्म और गहरी अभिव्यक्तियाँ भी निहित हैं। यद्यपि यह कविता एक जापानी लोककथा पर आधारित है, अज्ञेय ने इसका ऐसा भारतीयकरण किया है कि यह आधुनिक शिक्षित मध्यम वर्ग के द्वंद्वों, उनकी वैयक्तिकता और अस्तित्व की खोज का प्रतीक बन गई है।